श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

11 मई का दिन सभी जल, थल और नभ के मूक प्राणियों को " जीवदया दिवस " के रूप में समर्पित

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

नवीन कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

E-2 पहली मंजिल, जवाहर पार्क
हीरा स्वीट्स के पीछे विकास मार्ग
लक्ष्मीनगर, शकरपुर दिल्ली-110092
मो. 9990358901, 9810358901

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of : Shree Digamber Jain Mahasamiti

Account No : 10170001973962

Branch : Bandhan Bank, Greater Kailash, Delhi-110048

IFSC Code : BDBL0001727

वर्ष 6 - अंक 1 अप्रैल-मई 2024

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय संयोजक
डॉ. रिचा जैन
मो. 9822221951

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
इन्दु जैन गांधी

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना, मो. 8668734864
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर, मो. 8619531143

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुख्य कार्यालय
Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

मुद्रक : रचना सिंडिकेट
बी. एस. सागवान
मो. 8178438390
दिल्ली-110093

विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1. सम्पादकीय...	2
2. जीव दया का भव्य आयोजन...	5
3. आयोजन की झलकियां...	6
4. टीले वाले बाबा...	11
5. पालना सजाओ प्रतियोगिता...	12
6. नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन...	13
7. शपथ विधि समारोह...	14
8. शोभा यात्रा...	15
9. जैन रत्न...	16
10. सभा का आयोजन...	17
11. कार्यक्रम की झलकियां...	18

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

वृद्धावस्था : नई चुनौतियाँ और नए समाधान

''जावेद शरुद शतम'' यानी सौ वर्ष तक जीने की कामना और आयुष्मान भवः अर्थात लम्बी उम्र पाओ का आशीर्वाद चिरकाल से हमारी संस्कृति का अंग रहे हैं। मनु द्वारा 25–25 वर्ष के चार आश्रमों में मानव जीवन का विभाजन भी इस बात का द्योतक है कि 100 वर्ष की उम्र भारत में आदर्श मानी जाती रही है। व्यक्तिगत स्तर पर भी मोक्ष प्राप्ति स्वर्ग में जाने के प्रलोभन तथा पुनर्जन्म के आश्वासन के बावजूद औसत भारतीय व्यक्ति अधिक से अधिक समय तक दुनिया में रह कर अपनी भौतिक इच्छाओं को पूरा करना चाहता है। मतलब यह है कि लम्बी आयु मनुष्य की स्वाभाविक आकांक्षा है। हम अपने आसपास कितने ही वृद्ध स्त्री पुरुषों की पोतों का मुँह देखने और फिर पोतों की बहुओं तथा उनके बच्चों तक का मुँह देखने के बाद इस संसार से उठाने की प्रार्थना करते देखते हैं।

युधिष्ठर ने यक्ष के प्रश्न के उत्तर में कि दुनियाँ का सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है. कहा था कि दूसरों को प्रतिदिन मरते देखकर भी शेष लोग यह मानकर चलते हैं कि वे हमेशा जीवित रहेंगे। इस तर्ज पर यह भी कहा जा सकता है कि बुढ़ापे की मुसीबतों तथा अभिशापों को जानते हुए भी अधिकतर लोग लम्बी जिन्दगी की कामना करते हैं, किन्तु हम जानते हैं कि लम्बी आयु की इस सहज मानवीय कामना की पूर्ति के रास्ते में असंख्य बाधायें आती रही हैं। शारीरिक रोग इसमें सबसे बड़ी रूकावट है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति के आविष्कार से पहले महामारियों में लाखों लोग एक साथ काल कलवित हो जाया करते थे। इसमें अधिक संख्या बच्चों की होती थी, जो वृद्धावस्था तो दूर युवावस्था तक वंचित रहते थे। आधुनिक काल में पश्चिमी जगत में इन महामारियों की पराजय के बाद अब विकासशील देश भी इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। इसके फलस्वरूप मनुष्य की औसत आयु में उत्तरोत्ता वृद्धि हो रही है।

मनुष्य की औसत आयु बढ़ाना हमारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का मुख्य लक्ष्य रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में घातक बीमारियों पर नियंत्रण, बाल मृत्यु दर में कभी प्रसव के दौरान मृत्यु को रोकने के उपाय, पौष्टिक आहार तथा बुनियादी दवाओं की आपूर्ति जैसे अनेक तरीके अपनाने जा रहे हैं। यद्यपि यह नहीं कहा जा सकता कि सभी देशवासियों को बुनियादी चिकित्सा सेवायें उपलब्ध हो गई, किन्तु यह सच है कि भारतवासियों की औसत आयु में वृद्धि हुई है।

बड़े–बूढ़ों को सम्मान देना हमारा एक जीवन मूल्य अवश्य है, किन्तु व्यवहारिक धरातल पर अन्य कई आदशों की भाँति यह भी बहुत कम अपनी उपस्थिति प्रकट करता है। अपने मृत पूर्वजों को श्राद्ध तर्पण करना भले ही हमारी धार्मिक रीति हो, किन्तु जीवित वृद्धों की देखभाल करना आवश्यक नहीं माना जाता। वृद्धजनों के अनुभव का खजाना, ज्ञान का कोष जीवन के निचोड़ से वाकिफ, दुनियाँ का पारखी जैसे विशेषज्ञों से विभूषित किये जाने के बावजूद इस सच्चाई से मुँह नहीं मोड़ा जा सकता कि वृद्धावस्था अपने आप में अभिशाप है। गौतम बुद्ध ने जिन कारणों से संसार का त्याग किया था, उनमें एक कारण बुढ़ापे की दुरावस्था का दर्शन भी था।

बुढ़ापे की समस्यायें–

यों तो व्यक्ति जीवन भर उलझनों से जूझता रहता है किन्तु बुढ़ापा तो स्वयं में एक समस्या है। इसका कारण यह है कि बाल्यावस्था और युवावस्था में मनुष्यों के कुछ सपने और आशायें होती है। जिन्हें फलीभूत करने के लिए वह संघर्ष करता है। जबकि बुढ़ापे के सामने एक अन्धेरी गली और उसके बाद मौत की घन्टियों की भयावह आवाज के सिवाय कुछ नहीं होता। आज के युग में तो जब भौतिकवाद और उपभोक्ता वाद की छाया तेजी से हमारे समाज की अपनी गिरफ्त में लेती जा रही है, वृद्धावस्था और भी अधिक कष्टदाई बन गई है।

वृद्धावस्था की समस्या व्यक्तिगत तो है ही उसका सामाजिक आयाम भी कम चिन्ताजनक नहीं है। जिस प्रकार अधिक सन्तान मनुष्य के स्वयं व परिवार के दुःख दाई होने के साथ–साथ देश के विकास के लिए भी हानिकारक है, उसी तरह बहुत अधिक उम्र के व्यक्तियों की बढ़ती हुई संख्या व्यक्ति के साथ–साथ समाज के लिए भी बोझ है।

पहले हम व्यक्तिगत कष्टों का ही विश्लेषण करें, जिनके कारण वृद्धावस्था को अभिशाप करार दिया जाता है। आज के युग में वृद्धावस्था इसलिए अधिक दुःखदाई हो गई है कि बूढ़े पुरुष और स्त्री का एकाकी पन बढ़ गया है। आपको ऐसे असंख्य उदाहरण अपने आस पास मिल जायेंगे, जिनमें बेटों बहुओं व बेटियों के रहते हुए भी बड़े–बूढ़े नारकीय जीवन बिता रहे हैं। बड़े–बूढ़ों को अस्पताल में तो दाखिला करा दिया जाता है, किन्तु उनका हाल–चाल पूछने का समय किसी के पास नहीं है। भौतिक सुख एवं समृद्धि की दौड़ में भागते लोगों के पास अपने बच्चों की देखभाल के लिए ही समय नहीं तो बूढ़ों के लिए कौन सिर खपाए। इसका बड़ा कारण है। संयुक्त परिवार का बिखरना। संयुक्त परिवार में वृद्ध व्यक्ति को घर के मुखिया के रूप में मान्यता मिली हुई थी और एक दूसरे की देखादेखी भी उनकी सेवा सुश्रुषा में तो घर के लोग करते थे। किन्तु अब शहरों का जीवन रचना ही इस प्रकार की हो गई है कि उसमें बड़े–बूढ़ों के लिए स्थान ही कहीं नहीं दिखाई देता।

मनोवैज्ञानिक रिक्तता के साथ–साथ आर्थिक निर्भरता भी उनके कष्टों का प्रमुख कारण है जो लोग मनोवैज्ञानिक तथा आर्थिक दोनों तरह से अपने बच्चों पर निर्भर हैं उनकी दुरावस्था की तो कोई सीमा नहीं है। आर्थिक दृष्टि से अधिकांश स्त्रियाँ अपने पति पर निर्भर होती हैं इसलिए पहले से ही शोषित विताने वाली नारी की वृद्धावस्था में अधिक कष्ट झेलने पड़ते हैं, किन्तु यहाँ हमें विडम्बना की स्थिति दिखाई देती है कि वृद्धावस्था में स्त्री का जीवन पुरुष की तुलना में कम कष्टपूर्ण और अपमान जनक होता है। इसका कारण यह है कि घर के कामकाज तथा बच्चों को पालने में बहू–बेटे के मदद करती हैं जिससे उसकी उपयोगिता को मान्यता मिल जाती है लोग अपनी सारी जमा–पूँजी बच्चों का कैरियर बनाने या उनके लिए मकान आदि बनाने पर खर्च कर देते हैं और पूरी तरह उन पर निर्भर हो जाते हैं। उनकी दशा अपने उन भाईयों से बदतर होती है जो कुछ सम्पत्ति अपने पास रखते हैं।

सामना इसी रूप में किया गया है। जर्मनी में अनेक पूँजीपति और उद्योगपति अपनी आय के एक खास हिस्सा इस प्रकार की संस्थाओं के लिए दान करते हैं और सरकार से उन्हें इसके लिए करों में राहत मिलती है। इससे वृद्धों की सहायता के लिए बहुत अच्छा काम हो रहा है। हमारे देश में भी सरकारी तथा स्वेच्छिक आधार पर काम करने वाले लोग तथा संस्थाएँ ही रोग, दुर्बलता और मानसिक अकेलेपन का शिकार इस वर्ग की वास्तविक मदद कर सकती हैं। इन संस्थाओं को सरकारी सहायता के साथ–साथ व्यापारियों उद्योगपतियों, किसानों तथा वाणिज्य कम्पनियों आदि से वित्तीय सहायता लेनी चाहिए हमारे यहाँ तो दान का बहुत महत्व है किन्तु यह दान अधिकांशतः धार्मिक संस्थाओं को दिया जाता है। चेतना वाले अनेक लोग अब समाजिक कार्यों के लिए भी दान देने लगे हैं। विशेष अभियान चलाकर कई लोगों को इस काम के लिए तैयार करना सम्भव है।

-धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

– **दूसरे का अप्रिय वचन सुनकर भी सर्वोत्तम व्यक्ति सदा प्रिय वाणी ही बोलता है।**

– **बड़प्पन वह गुण है जो पद से नहीं, संस्कारों से प्राप्त होता है।**

– **दूसरे के भरोसे जीने वाला का कोई निश्चित भविष्य नहीं हो सकता।**

– **थोड़ा रहने पर जो दान दिया जाता है वह हजार के बराबर होता है।**

जीव दया का भव्य आयोजन

11 मई को मेरे जन्म दिवस को जीव दया दिवस के रूप में मनाने के लिए, हमारे देश के सभी धर्मों के प्रमुख धर्म गुरु कार्यक्रम में पधारे तथा उन्होंने कार्यक्रम को बहुत ही भव्य और दिव्य बना दिया। मैं सभी का आभारी हूं। आचार्य गोस्वामी सुशील जी, प्रमुख इमाम साहब, डॉक्टर उमर अहमद इलियासी , पीठाधीश्वर विशाला नन्द जी, स्वामी संपूर्णानंद ,आचार्य शैलेष, कल्की धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम जी, बच्चों में वैदिक चेतना और संस्कार देने बाले श्री भाई जी, फादर एम डी थॉमस गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के भाई श्री परमजीत चंडोक जी, प्रमुख जैन धर्माचार्य मुनि विवेक जी, बौद्ध धर्म गुरु श्री यशवी तथा यहूदी संप्रदाय से श्री इस्साक मालेकर जी ने आशीर्वाद दिया । इस अवसर पर चिड़ियाओं कबूतरों और तोतों को मणीन्द्र जी व सभी धर्मगुरुओं ने पिंजरों से मुक्त कर जीव दया का बहुत बड़ा संदेश दिया। कार्यक्रम में महान गीतकार संगीतकार रविंद्र जैन के गाए हुए राम,कृष्ण तथा भगवान महावीर के भजनों तथा कुछ फिल्मों के भजन गीतों को गाकर दीपक रूपक जैन तथा वृंदावन से पधारे श्री महेश जी के ग्रुप ने चार चांद लगा दिए। सभी परिवारजनों, विपिन गुप्ता जी वेंकटेश, उद्दीप्त, शिखा, प्रिया, आराध्या ने कार्यक्रम को खूबसूरती से संवारा तथा मेरे देश भर से आए मित्रगणों का आभार प्रकट करता हूं जिनके आने से मुझको बहुत ही ऊर्जा मिलती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी की शुभकामनाओं से मैं देश , समाज और धर्म के लिए और भी अधिक अच्छे से कार्य कर पाऊंगा। जीव दया दिवस विश्व व्यापी हो इसी भावना के साथ पुनः सभी का बहुत–बहुत धन्यवाद।

-डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष

''जीव दया'' एवं जन्मोत्सव डॉ. मणीन्द्र जैन के भव्य आयोजन की झलकियां

''जीव दया'' एवं जन्मोत्सव डॉ. मणीन्द्र जैन के भव्य आयोजन की झलकियां

''जीव दया'' एवं जन्मोत्सव डॉ. मणीन्द्र जैन के भव्य आयोजन की झलकियां

''जीव दया'' एवं जन्मोत्सव डॉ. मणीन्द्र जैन के भव्य आयोजन की झलकियां

''जीव दया'' एवं जन्मोत्सव डॉ. मणीन्द्र जैन के भव्य आयोजन की झलकियां

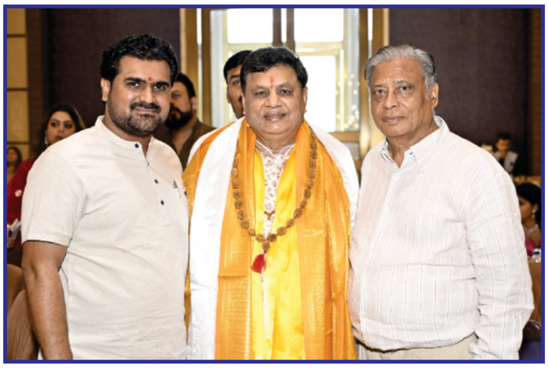

- रिश्ते खून के नहीं होते विश्वास के होते हैं अगर विश्वास हो तो पराये भी अपने हो जाते हैं और अगर विश्वास न हो तो अपने भी पराये हो जाते हैं।
- घमण्डी और अहंकारी, समाज की व्यवस्थाओं को चौपट कर देता है।
- गलतियां निकालना आसान है, सुधारना मुशकिल।
- यदि आप अपने सपने साकार नहीं करेंगें तो कोई और खुद के लिए आपको भाड़े पर रख लेगा।

चांदनपुर के टीले वाले बाबा पर नाटिका का मंचन

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा सखी ग्रुप अजमेर के सहयोग से जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर 1008 श्री आदिनाथ भगवान की जयंती से चोबीसवे तीर्थकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की जयंती तक प्रतिदिन अजमेर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित हो रहे भक्तिगान से ओत प्रोत घर घर मंगलाचार कार्यक्रम की श्रृंखला में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर के संत भवन पार्श्वनाथ कॉलोनी में एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें सखी ग्रुप की प्रगति जैन के संयोजन में एवं भजन गायक अंकित पाटनी द्वारा महावीर भगवान की भक्ति में भजन प्रस्तुत किए गए

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर की वैशाली नगर इकाई की मंत्री अल्पा जैन ने बताया कि कार्यक्रम में श्रेया पाटनी द्वारा मंगलाचरण भक्ति नृत्य करते हुए प्रस्तुत किया गया। सखी ग्रुप की सदस्याओं ने इस अवसर पर ''चांदनपुर के टीले वाले बाबा'' की नृत्य नाटिका का मंचन बहुत ही हर्षोल्लास से किया

नाटिका में राजा सिद्धार्थ की भूमिका कृतिका जैन , माता त्रिशला की भूमिका आकांक्षा जैन, साथ ही रजनी जैन, अनु काला, प्रगति पाटनी, प्रिया पाटनी, अल्पा जैन,पूजा कांटीवाल, वैशाली जैन, ऋतु बाकलीवाल सहित सभी सदस्याओँ ने भाग लिया।

समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन महासमिति युवा महिला संभाग की कोषाध्यक्ष मंजू ठोलिया एवं आनंद नगर इकाई अध्यक्ष अंजू अजमेरा ने सभी सखी ग्रुप की सदस्याओं का माल्यार्पण करते हुए सम्मान किया । कार्यक्रम के दौरान भगवान महावीर को पालना झुलाने का भी अवसर सभी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में पार्श्वनाथ कॉलोनी इकाई, छतरी योजना इकाई की सदस्याओं सहित बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबी मोजूद रहे समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि आज सरावगी मोहल्ला इकाई के संयोजन में गुफा मंदिर में घर घर मंगलाचार कार्यक्रम रखा गया है

- मधु पाटनी, अजमेर

भगवान महावीर जन्मोत्सव के पूर्व पालना सजाओ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अहमदाबाद द्वारा भगवान महावीर जन्मोत्सव के पूर्व दिनांक 19 अप्रैल 2024 को बड़े ही धूमधाम से श्री 1008 पारसनाथ के दिगंबर जैन मंदिर सोला अहमदाबाद में संगममती माताजी के सानिध्य में मनाया गया। जिसमें सर्व प्रथम दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके बाद समिति की महिलाओं ने बहुत ही सुंदर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। इसी के दौरान पालना सजाओ प्रतियोगिता, त्रिशला माता प्रतियोगिता, जैन हाउसी का भी आयोजन किया गया। सभी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और इसके बाद तीर्थंकर बालक को पालने में झुलाने का कार्यक्रम हुआ और उसके बाद भक्ति नृत्य हुआ जिसमें सभी ने बड़े ही उत्साह से हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रीती बिल्टी वाला, सुनीता छाबड़ा, शिखा बिल्टी वाला, नीतू अनूप जैन, निपा शाह, सपना जैन, शीतल जैन और बाकी सभी कमेटी मेम्बर्स की उपस्थिति में किया गया।

- प्रीति बिल्टी वाला, अहमदाबाद

श्री दिगम्बर जैन महासमिति अलीगढ़ के तत्वावधान में 14 लोगों का नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन सफल एवं दवाई किट वितरण

भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण महोत्सव वर्ष के अंतर्गत श्री दिगम्बर जैन महासमिति के तत्वावधान में भगवान महावीर के 2623 वें जन्मकल्याणक महोत्सव से पूर्व चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रोटरी क्लब ऑफ फ्रेंड्स एवं शेखर सर्राफ मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा संचालित सम्पूर्ण उपकरणों से सुसज्जित मोबाइल वैन में अनुभवी नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मौसम गुप्ता के परामर्श पर लगभग 25 मरीजों को मोतियाबिंद से ग्रसित मरीजों को ऑपरेशन कराए जाने की सलाह दी गई। जिसमें से सोमवार को 14 लोगों के शेखर सर्राफ मेमोरियल हॉस्पिटल मे नि:शुल्क आंख के मोतियाबिंद से ग्रसित बीमारी के सफल ऑपरेशन डॉक्टर मौसम गुप्ता द्वारा किए गए साथ ही दवा किट एवं काला चश्मा वितरण किए गए। इस मौके पर हॉस्पिटल की चेयरपर्सन श्रीमती लाजेश वार्ष्णेय, डॉक्टर मौसम गुप्ता, समिति के प्रांतीय महामंत्री राजीव जैन, संयोजक मुनेश जैन, मीडिया प्रभारी मयंक जैन, मण्डल अध्यक्ष नीरज जैन, सौरभ जैन पांड्या उपस्थित रहे।

- राजीव जैन, प्रान्तीय महामंत्री

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति उज्जैन का शपथ विधि समारोह सम्पन्न

शपथ अधिकारी के रूप में मध्यांचल महामंत्री श्रीमती ममता गंगवाल ने नवीन पदाधिकारियों को एवं सदस्यों को शपथ दिलाई!

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महावीर के चित्र अनावरण से हुआ। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलित श्रीमती सुनीता अनिल बोहरा,मोनिका बोहरा परिवार द्वारा किया गया। मंगलाचरण और स्वागत गीत श्रीमती लीना बोहरा श्रीमती अनुजा जैन द्वारा किया गया! जिनवाणी व कलश स्थापना श्रीमती इंदिरा पवन बोहरा ,प्रभा बोहरा द्वारा किया गया! कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यांचल अध्यक्ष श्रीमती संगीता सोगानी ने की। विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती सपना मनीषजी गोधा, श्रीमती कलावती यादव, श्रीमती वीरबाला कासलीवाल, श्रीमती पूजा सोगानी मध्यांचल कोषाध्यक्ष, श्रीमती ज्योति जी गोधा मध्यांचल महिला प्रकोष्ठ मंत्री और सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, परामर्शदाता, समिति संरक्षक आदि उपस्थित थे। शपथ विधि समारोह के पश्चात अध्यक्ष एवं पदाधिकारी की घोषणा श्रीमती ममता गंगवाल द्वारा की गई। और नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती साधना बोहरा व उनकी टीम को आगामी वर्ष के कार्यकाल के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी। जानकारी उज्जैन संभाग की मंत्री श्रीमती अल्पना बाकलीवाल द्वारा दी गई।

- ममता गंगवाल, अध्यक्ष

श्री दिगंबर जैन महासमिति समिति द्वारा शोभा यात्रा का धानमंडी दरगाह बाजार में किया गया भव्य स्वागत

श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवं श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर के तत्वावधान में महावीर जयंती महापर्व पर केसरगंज जैन मंदिर से प्रारंभ होकर निकाली गई शोभा यात्रा की धानमंडी दरगाह बाजार में आगवानी करते हुए समिति अध्यक्ष अतुल मधु पाटनी परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया जल सेवा, आइसक्रीम, टॉफी एवं मुखवास का वितरण करते हुए भगवान महावीर स्वामी का जयघोष किया गया इस अवसर पर रथ पर सवार श्रीजी की आरती की गई जुलूस में 2000 से अधिक जैन धर्मावलंबियों के साथ चल रहे मुनिराज का पाद प्रक्षालन कर आरती की महाराजश्री ने सिर पर पिच्छी रखकर दिया सभी समिति सदस्यों को आशीर्वाद राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि शोभा यात्रा में समिति द्वारा भगवान महावीर स्वामी द्वारा दिए गए दिव्य संदेश की आकर्षक झांकी भी सजाकर निकाली गई जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हुई। महामंत्री कमल गंगवाल एवं जन संपर्क अधिकारी संजय जैन ने बताया कि इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी, अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी, महामंत्री, कोषाध्यक्ष श्रेयांस पाटनी, प्रवीण पाटोदी, युवा महिला संभाग अजमेर की अध्यक्ष सोनिका भैंसा, संस्थापक अध्यक्ष अर्चना गंगवाल, मंत्री सरला लुहाड़िया, महिला प्रकोष्ठ मंत्री रेनू पाटनी, कोषाध्यक्ष सुषमा पाटनी, मंजू ठोलिया, संतोष बाकलीवाल, सरला झांझरी सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य सदस्याऐं मोजूद रहीं

- मधु पाटनी, अजमेर

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

एवं श्री दिगम्बर जैन महासमिति (महिला प्रकोष्ठ)

उत्तर प्रदेश प्रान्त

तुम समाज के उन्नत मस्तक, तुम समाज के चन्दन।
यह सम्मान है तुम्हें समर्पित, स्वीकारो अभिनन्दन।।

आत्मीय सम्मान

मा० श्री सुरेश जैन जी

कुलाधिपति, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद

आत्मीयजन,

आपके द्वारा शिक्षा, सामाजिक एवं धार्मिक स्तर पर जो विशेष आयाम स्थापित किये गए हैं, वह अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय है। आपने कर्मठता एवं वचनबद्धता से स्वच्छ 'नीयत और नीति' का पालन करते हुए देश विदेश में जैन समाज की विशिष्ट पहचान बनाई है। मैडीकल कॉलिज में रोगियों की निस्वार्थ सेवा, कर्मशीलता, दानवीरता आपके धर्मपरायण व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है। श्री दिगम्बर जैन महासमिति, उत्तर प्रदेश प्रान्त आपको

जैन–रत्न

से अलंकृत करते हुए गौरवान्वित है।

डा० मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष
प्रवीन जैन, राष्ट्रीय महामंत्री
अनिल जैन, प्रान्तीय अध्यक्ष
राजीव जैन, प्रान्तीय महामंत्री
मुकेश जैन, प्रान्तीय संयोजक
मयंक जैन, प्रान्तीय मीडिया प्रभारी
शीला जैन डोडिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ)
शिखा जैन, प्रान्तीय अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ)
पूर्वी जैन, प्रान्तीय महामंत्री (महिला प्रकोष्ठ)
गरिमा जैन, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ)

सभा का आयोजन

मुरादाबाद टिमिट सभागार में श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की प्रांतीय सभा का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. मणीन्द्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन महासमिति, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धरणेद्र जैन, प्रांतीय अध्यक्ष अनिल जैन, प्रांतीय महामंत्री राजीव जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती बीना जैन (प्रथम महिला तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी) रहीं।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती शशि जैन ने की।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति द्वारा समारोह गौरव श्री सुरेश जैन को जैन रत्न की उपाधि देकर सम्मानित किया। प्रांतीय महामंत्री राजीव जैन जी ने समिति द्वारा कार्यों के बारे में बताया। महावीर भगवान के 2550वें निर्माण महोत्सव के उपलक्ष में 24 महावीर द्वार बनाने की घोषणा की गई है। जिसमें प्रथम महावीर द्वारा अलीगढ़ में एवं द्वितीय मैनपुरी में बनाया गया है। प्रांतीय अध्यक्ष अनिल जैन जी ने बताया कि मुरादाबाद में भी अति शीघ्र महावीर द्वार बनाया जाएगा। मंत्री अलका जैन ने गत वर्ष में किए गए सामाजिक कार्यों को विस्तार से बताया। प्रांतीय अध्यक्ष शिखा जैन ने बताया कि हमारी समिति सामाजिक और धार्मिक कार्य करने के लिए हमेशा तत्पर रहती है। जिसमें हमारा मुख्य उद्देश्य बच्चों में अच्छे संस्कार देकर उनकी नींव मजबूत करना है। जिससे वह बच्चे राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए अग्रणी भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष में समिति द्वारा 2550 पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है। मंडल अध्यक्ष श्रीमती ममता जैन ने कहा कि आज समिति द्वारा मुरादाबाद में समाज को कुछ पौधे वितरित किए जा रहे हैं। अति शीघ्र ही हम अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। **राष्ट्रीय अध्यक्ष मणीन्द्र जैन द्वारा महासमिति के क्रियाकलापों और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला एवं आगामी योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से समझाया और मुरादाबाद संभाग द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।** प्रांतीय सभा में बच्चों द्वारा शिक्षाप्रद और धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिसमें मुख्य रूप से महावीर नाटिका और रिया जैन एवं ग्रुप द्वारा बहुत सुंदर कथक नृत्य प्रस्तुत किया गया एवं विधि जैन एम शिवानी द्वारा मनोरंजन सरप्राइज और आकर्षित तम्बोला खिलवाया गया समारोह में पुरस्कार समाजसेवी पवन जैन अलका जैन एवं संजीव जैन अंजना जैन द्वारा वितरित किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रांतीय सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती एकता जैन, मंडलाध्यक्ष ममता जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समस्त जैन समाज की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में अलंकृता जैन अर्चना जैन, रितु जैन, सुरभि जैन, प्रिया जैन, सीमा जैन, मृदुला जैन, अंजू जैन, मंजरी जैन, शिवि और समिति की सभी बहनों का सहयोग रहा। समीर जैन एवं अविनाश जैन का विशेष सहयोग रहा।

- शिखा जैन, प्रान्तीय अध्यक्षा (महिला महासमिति)

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

मुरादाबाद के टिमिट सभागार में श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की प्रान्तीय सभा के कार्यक्रम की झलकियां

If undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mob. :- 9810043108, 8826578600